यीशु ने बरतिमाई और दुसरों को चंगा किया

मसीही लोग बीमारों की चंगाई के लिये प्रार्थना करते हैं।

जो बच्चों को सिखाते हैं उन्हें एज 2 ब का अध्ययन करना चाहिये

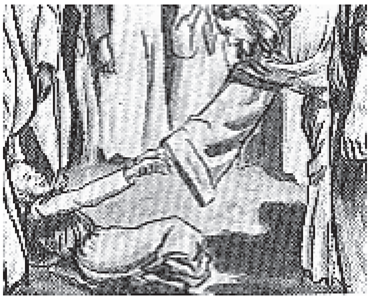

प्रार्थना: "स्वर्गीय पिता, आपका प्रेम हम विश्वासियो के लिये कभी कम नहीं होता। जब मेरा झुण्ड बीमार और परेशान है तब उन्हें आप पर विश्वास करने में सहायता कर"

1. अपने झुण्ड को बीमारों और पीड़ितों की सेवा करने की अगुवाई के लिये तैयार करें।

जहाँ बहुत से झुण्ड के सदस्य विश्वासी बन रहे हैं और नये झुण्ड का निर्माण हो रहा है, तो शारीरिक चंगाई सुसमाचार (प्रचार और मंडली के जीवन का सामान्य भाग है।

जब विश्वासी बीमार है या पीड़ित है, इसमें हमेशा परमेश्वर का अभिप्राय होता है। हमारा कार्य है कि झुण्ड को परमेश्वर के अभिप्राय जानने और उस पर भरोसा करने में उन की सहायता करें।

मरकुस 10:46-52 में ढूंढें...

- बरतिमाई की पीड़ा कितनी गम्भीर थी।
- बरतिमाई ने क्या विश्वास किया कि यीशु लोगों के लिये क्या कर सकता है
- बरतिमाई की विनती क्या थी।
- यीशु ने बरतिमाई में क्या देखा जिसने उसकी इच्छा पूरी करने को प्रेरित किया।

यूहन्ना 9 अध्याय में खोजें...

- आदमी के जन्म से अन्धा पैदा होने में परमेश्वर का क्या अभिप्राय था (पद 1-3)
- चंगा होने के लिये अन्धे आदमी को क्या करना था। (6-11)
- यीशु क्या चाहता था कि वह अन्धा आदमी उसके विषय विश्वास करे। (35-38)
- जिन्होंने यीशु पर विश्वास करने में इन्कार किया, उनके लिये परमेश्वर का क्या अभिप्राय था। (39-41)

इब्रानियों 12:5-14 में खोजें...

- वे विश्वासी जो यातना सहते उन्हें परमेश्वर कैसे देखता है (पद 5-8)
- हमारी यातनाओं से परमेश्वर क्या अच्छी वस्तु निकालना चाहता है (पद 9-11)
- यदि हमारे आचरगा दुष्टता के है तो हमें किस प्रकार के कार्य करने चाहिये (13)
- यदि दूसरों के साथ बुरा व्यवहार किया है तो किस प्रकार के कार्य करने चाहिये (14)

याकूब 5:13-20 में खोजिये...

- जब विश्वासी यातना में है तो उन्हें क्या करना चाहिये (पद 13)
- जब विश्वासी बीमार है तो क्या करना चाहिये (पद 14)
- बीमार विश्वासियों के प्रति मंडली के अगुवों को क्या करना चाहिये (पद 14)
- यदि बीमार विश्वासियों ने पाप किया है तो उन्हें क्या करना चाहिये (15)
- किस प्रकार की प्रार्थना बीमार विश्वासियों को चंगा करती है (पद 15)
- जब एक पापी सत्य में वापस आ जाता तो क्या होता है (पद 19-20)

2. अपने सह कर्मियों के साथ अगामी सप्ताह की गतिविधियों की योजना बनायें।

जब कभी आप किसी के घर मिलने जाते और पाते कि वहाँ कोई बीमार है परमेश्वर की दया और सामर्थ की गवाही के लिये बीमार की चंगाई के लिये प्रार्थना करो। जब कभी कलीसिया के अगुवे को बीमार विश्वासी के घर बुलाया जाये तो वह एक बोतल में शुद्ध तेल ले जाये कि बीमार पर लगाकर उसे अभिषिक्त कर प्रार्थना करें।

अपने झुण्ड के बीमार विश्वासियों को मिलने जायें, उन्हें समझायें और उनके लिये प्रार्थना करें।

चंगाई कि लिये दर्शन

जब आप किसी बीमार या पीड़ित के लिये प्रार्थना करने जायें तो यहाँ कुछ मार्ग दर्शन दिये गये हैं।

अ) बीमार के लिये प्रार्थना करने के पश्चात किसी भोजन, पेय या व्यापारिक बातों के लिये न रूकें।

ब) बीमार और उसके परिवार जनो से बात कीजिये जिससे बीमार विश्वासी के व्यवहार सम्बन्ध और धार्मिक व्यवहार के विषय जानकारी हो सके। इससे आपको जानने में सहायता होगी कि इस शारीरिक बीमारी के लिये क्या आत्मिक कारण हैं।

स) इस बीमारी का कारण और बीमार व्यक्ति के विषय परमेश्वर क्या चाहता है जो कुछ पवित्र आत्मा कहे उसे सुनें।

ड) बीमार व्यक्ति को समझायें कि बीमारी तीन प्रकार की हैं

- इसलिये कि हमारे व्यवहार या सम्बन्धों ने परमेश्वर को अप्रसन्न किया ये बीमारी न्याय के लिये है।
- मृत्यु के लिये बीमारी, क्योंकि अब प्रभु के साथ होने का समय है
- परमेश्वर की महिमा के लिये ,बीमारी क्योकि वह चंगाई के द्वारा अपनी सामर्थ दिखाना चाहता है।

इ) यदि उन्होंने कोई पाप किया है तो बीमार व्यक्ति परिवार के लोगों को पाप अंगीकार का अवसर प्रदान करें। यदि कोई पाप का अंगीकार करता है जो बतायें कि प्रभु ने उन पापों को क्षमा कर दिया है।

ई) यदि आप बीमारी का कारण जानते हैं, तो बीमार को समझायें कि किस प्रकार धार्मिकता से व्यवहार करें और दूसरों के साथ किस प्रकार से सम्बन्धों को सुधारें।

उ) बीमार व्यक्ति के लिये प्रार्थना करें। यदि आप महसूस करते कि परमेश्वर उसे चंगा करना चाहता है तो तेल से बीमार को अभिषिक्त करें और परमेश्वर से उसे चंगा करने की बिनती करें। (ये काफी नहीं है कि डाक्टरों और दवाइयों के लिये प्रार्थना करें) यदि आप महसूस नहीं करते कि इस समय परमेश्वर चंगा करना चाहता तो परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह बीमार को विश्वास आनन्द और धीरज के साथ उसे आशीषित करें।

3. अपने सहकर्मियों के साथ अगली आराधना की योजना बनायें।

अपनी समझ को बतायें कि किस प्रकार परमेश्वर बीमार को यीशु के नाम में चंगा करता है।

लूका 17:11-19 से दस कोढियों का वर्णन पढ़े

यीशु ने दस कोढ़ियों को चंगा किया, केवल एक उसे धन्यवाद देने लौटा

विश्वासियों को उनकी हाल की चंगाई के लिये धन्यवाद और गवाही देने दें

बच्चों ने जो प्रश्न कविता नाटक तैयार किया है प्रस्तुत करने दें।

प्रभु के भोजन का परिचय कराने के लिये पढ़ें या निर्गमन 16 अध्याय के अनुसार उस आश्चर्य जनक रोटी जो मना कहलाती थी परमेश्वर ने इस्राइलियों को खिलाया उसकी कहानी बतायें।

वर्णन करें कि यीशु ही वह वास्तविक असली रोटी है जो स्वर्ग से उतरी और जब हम विश्वास के साथ प्रभु भोज लेते तो उसके जीवन दायक सामर्थ का आनन्द उठाते।

1 पतरस 2:24 कंठस्त करें।

छोटे झुण्डों से और विश्वासियों को उत्साहित करें एक दूसरे के लिये प्रार्थना करने दें।